अध्याय-5

बैंक समाधान विवरण

(Bank Reconciliation Statement)

सीखने के उद्देश्य

इस अध्याय के अध्ययन के पश्चात् आप :

- बैंक समाधान विवरण का अर्थ समझ सकेंगे।
- बैंक समाधान विवरण बनाने की आवश्यकता जान सकेंगे।
- रोकड़ बही के बैंक शेष और बैंक पास बुक द्वारा बताये गये शेष में अन्तर के कारण को पहचान सकेंगे।
- बैंक समाधान विवरण बनाना सीख सकेंगे।
- रोकड बही के सही बैंक शेष को ज्ञात करना सीख सकेंगे।

अर्थ - पिछले अध्याय में आपने जाना कि व्यावसायिक संगठन अपनी रोकड़ बही में बैंक तथा नकद लेनदेनों का लेखा करते हैं। रोकड़ बही के नकद खाने का शेष व्यवसाय का नकद शेष तथा बैंक खाने का शेष बैंक खाते का शेष बताता है। इस प्रकार बैंक भी व्यवसाय को उसके लेनदेनों का विवरण समय-समय पर भेजता है या पास बुक में प्रविष्टि करके देता है। यदि बैंक पासबुक में जमा शेष है तो व्यवसाय का रुपया बैंक में जमा है। यदि पास बुक में नाम शेष है तो व्यवसाय में रुपया बकाया है। इसी प्रकार रोकड़ बही का बैंक खाने का नाम शेष है तो बैंक में व्यवसाय का रुपया जमा है और यदि बैंक खाने का जमा शेष है तो व्यवसाय में रुपया बकाया है जो अधिविकर्ष कहा जाता है। बैंक पास बुक द्वारा बताया गया शेष और रोकड़ बही के बैंक खाने द्वारा बताया गया शेष समान होना चाहिए लेकिन व्यवहार में ऐसा होता नहीं है। इसी की जाँच करने के लिए एक विवरण बनाया जाता है जिसे बैंक समाधान विवरण कहते हैं।

आवश्यकता - बैंक समाधान विवरण बनाने की निम्नलिखित कारणों से आवश्यकता है -

- 1. बैंक अथवा रोकड़ बही में किसी प्रकार की त्रुटिया हो गई हो तो उसका पता लगाने के लिए।
- 2. चैकों के संग्रह में अवांछनीय देरी का पता लगाने के लिए।
- 3. व्यवसाय के कर्मचारियों अथवा बैंक के कर्मचारियों द्वारा किसी प्रकार की, की गई गड़बड़ी का पता लगाने के लिए।
- 4. प्रबन्धकों को बैंक के वास्तविक शेष की जानकारी के लिए। व्यवहार में व्यवसाय की रोकड़ बही के बैंक खाने का शेष और पास बुक द्वारा बताया गया शेष समान नहीं होने के निम्नलिखित कारण हो सकते हैं –
- 1. लेनदेन प्रविष्टि के समय में अन्तर
- 2. बैंक अथवा व्यवसाय द्वारा की गई त्रुटियाँ
- 1. लेनदेन प्रविष्टि के समय में अन्तर जब किसी लेनदेन की प्रविष्टि व्यवसाय की रोकड़ बही में जल्दी हो जाती है और बैंक में देरी से होती है या बैंक में जल्दी हो जाती है और व्यवसाय की रोकड़ बही में देरी से होती है तो ये कारण समय में अन्तर के कहे जा सकते है। समय में अन्तर निम्नलिखित कारणों से होता है –
- (i) चैक निर्गमित किये गये किन्तु भुगतान के लिए प्रस्तुत नहीं हुए व्यवसाय द्वारा लेनदारों को चैक जारी किये जाते हैं। इनकी प्रविष्टि व्यवसाय की रोकड़ बही में तुरन्त करदी जाती है जबिक यह आवश्यक नहीं है कि चैक प्राप्त करने वाला तुरन्त बैंक से भुगतान प्राप्त करे। इस कारण रोकड़ बही में तो बैंक शेष कम हो जाता है जबिक बैंक तो खाते में नाम तभी करेगा जब वास्तव में चैक का भुगतान हो जावेगा और तभी बैंक शेष कम होगा। चैक जारी करने और उसे भुगतान के लिए प्रस्तुत करने के बीच जो समय का अन्तर रहा है यही दोनों शेषों में भी अन्तर का कारण होता है।
- (ii) चैक बैंक में जमा कराए गए किन्तु बैंक में उनका संग्रह नहीं हुआ व्यवसाय को प्राप्त देनदारों के चैक बैंक में जमा कराने के लिए भेजते है तो उनकी प्रविष्टि रोकड़ बही में बैंक खाने में कर दी जाती है और बैंक शेष में वृद्धि कर दी जाती है लेकिन बैंक व्यवसाय के खाते में तभी प्रविष्टि करेगा जब वास्तव में उनका संग्रह हो जाता है। अत: चैक जमा कराने और बैंक द्वारा संग्रह होने की तिथि तक रोकड़ और बैंक शेषों में अन्तर होना स्वाभाविक है।
- (iii) **बैंक द्वारा जमा राशि पर ब्याज** बैंक द्वारा अपने ग्राहकों को जमा राशि पर ब्याज दिया जाता है और ब्याज की रकम ग्राहक के खाते में जमा करदी जाती है किन्तु ग्राहक को इसकी सूचना मिलने तक रोकड़ बही में प्रविष्टि नहीं होती अत: उस समय तक पास बुक और रोकड़ बही के शेषों में अन्तर रहता है।

- (iv) **बैंक शुल्क** बैंक अपनी सेवाओं के बदले ग्राहकों से कुछ शुल्क लेता है और शुल्क की यह रकम ग्राहक के खाते में नाम करदी जाती है किन्तु ग्राहक को इसकी सूचना विवरण मिलने या पास बुक में प्रविष्टि करवाने पर होती है और तब तक रोकड़ बही में प्रविष्टि नहीं होती अत: उस समय तक पास बुक और रोकड़ बही के शेषों में अन्तर रहता है।
- (v) स्थायी आदेश व्यवसायी को कुछ भुगतान निश्चित तिथियों पर करने पड़ते है जैसे बीमा शुल्क, लाइसेन्स फीस, पानी बिजली के बिल तथा सरकारी कर आदि। इनमें भूल नहीं हो अत: व्यवसायी बैंक को स्थायी आदेश दे देता है और बैंक निश्चित तिथि पर व्यवसायी की ओर से भुगतान कर उसके खाते में नाम लिख देता है किन्तु रोकड़ बही में प्रविष्टि पास बुक में प्रविष्टि हो जाने पर ही हो पाती है अत: उस समय तक पास बुक और रोकड़ बही के शेषों में अन्तर रहता है।
- (vi) **बैंक में सीधी जमा कराई गई रकमें** कुछ देनदार व्यवसाय के खाते में सीधे रकम जमा करा देते है और सूचना नहीं देते हैं या देरी से देते हैं। ऐसी परिस्थिति में सूचना मिलने तक बैंक शेष तो बढ़ जाता है किन्तु रोकड़ शेष नहीं बढ़ता है और दोनों शेषों में अन्तर हो जाता है।
- (vii) **बैंक द्वारा संग्रहित ब्याज तथा लाभांश** बैंक जब अपने ग्राहक की ओर से ब्याज तथा लाभाश का संग्रह करता है तो तुरंत ही उस राशि से ग्राहक के खाते में जमा पक्ष में लिख देता है जबिक ग्राहक को पास बुक मिलने पर ही इसका पता चल पाता है अत: तब तक पास बुक और रोकड़ बही के शेषों में अन्तर रहता है।
- (viii) चैक, बिल तथा हुण्डियों का अनादरण यदि व्यवसाय द्वारा जमा कराया गया चैक या बट्टे पर प्राप्त रकम वाले बिल का अनादरण हो जाता है तो बैंक तुरन्त व्यवसाय के खाते में नाम लिख देता है जब कि रोकड़ बही में प्रविष्टि पास बुक के मिलने पर ही हो पाती है अत: तब तक दोनों शेषों में अन्तर रहता है।

2. बैंक अथवा व्यवसाय द्वारा की गई तुटियाँ :-

कभी कभी दोनों शेषों में अन्तर का कारण बैंक अथवा व्यवसाय द्वारा की गई त्रुटियाँ भी हो सकती है जिसमें दोनों शेषों में अन्तर हो जाता है। जैसे व्यवसाय द्वारा जारी किये गये चैक या जमा कराए गए चैकों से संबंधित प्रविष्टि में भूल या त्रुटिपूर्ण रकम लिख दी गई हो। इसी प्रकार बैंक भी जमा किये गये चैकों से संबंधित प्रविष्टि में भूल या त्रुटिपूर्ण रकम लिख दें। बैंक अथवा व्यवसाय द्वारा प्रविष्टि को गलत पक्ष में लिख देना, खाते की जोड़ गलत लगा देना, रोकड़ बही या पास बुक का योग गलत लगा देना अथवा किसी अन्य व्यक्ति के खाते में प्रविष्टि कर देना त्रुटियों के अन्य उदाहरण हो सकते हैं जिनके कारण रोकड़ बही के बैंक खाने का शेष तथा पास बुक का शेष अन्तर बतायेगा। दोनों शेषों में अन्तर के कारणों का पता लगाना –

रोकड़ बही के बैंक खाने का शेष तथा बैंक पास बुक का शेष में अन्तर का पता लगाने के लिए हमारे पास रोकड़ बही के बैंक खाने की नकल तथा पास बुक की नकल उपलब्ध होनी चाहिए। तत्पश्चात दोनों की प्रविष्टियों का मिलान करना होता है। जो प्रविष्टियाँ दोनों में नहीं मिलती हो वे ही दोनों शेषों के अन्तर के कारण होती है। इन्हीं कारणों के आधार पर बैंक समाधान विवरण बनाया जाता है। उदाहरण 1. सम्पत एन्टरप्राइजेज की पास बुक तथा रोकड़ बही के बैंक खाने के अंश निम्नांकित है। आपको इनका मिलान कर दोनों में अन्तर की प्रविष्टियाँ बतानी है। (Follwing are the extracts of pass book and bank column of the cash book of Sampat Enterprises. After comparison you are required to point out the entries of Differences between the two) -

	Pass Book							
Date		Particulars	Withdrawals ₹	Deposits ₹	Dr. or	Balance ₹		
					Cr.			
2010								
Jan.	1	By Balance b/f			Cr.	60,000		
Jan.	3	By Cash		10,000	Cr.	70,000		
Jan.	8	To Sindh Furniture	5,000		Cr.	65,000		
Jan.	10	By Home Appliances		7,000	Cr.	72,000		
Jan.	12	By Ram Babu		3,000	Cr.	75,000		
Jan.	15	To Bank Charges	150		Cr.	74,850		
Jan.	20	By Cash		7,000	Cr.	81,850		
Jan.	25	By Interest Collected on securities		1,000	Cr.	82,850		
Jan.	28	To Hari Narain	2,000		Cr.	80,850		
Jan.	28	By Ram Lal		5,000	Cr.	85,850		
Jan.	31	By Interest paid		550	Cr.	86,400		
Jan.	31	To Prem Kumar	6,000		Cr.	80,400		

Date

Jan.

Jan.

Jan.

Jan.

Jan.

Amount

60,000

10,000

7,000

3,000

7,000

10,000

5

26

Particulars

By Sindh Furniture

By Hari Narain

By Prem Kumar

By Shyam Lal

By Balance c/d

2010

1

3

20

31

Jan.

Jan.

Jan. Jan.

Jan.

Jan.

Particulars

To Balance b/f

To Home Appliances

To Pradeep Kumar

To Cash A/c

To Ram Babu

To Cash A/c

5,000

79,000

 97,000
 97,000

 Feb. 1 To Balance b/d
 97,000

 हल (Solustion) :- उपरोक्त विवरणों (पास बुक तथा रोकड़ बही के बैंक खाने के अंश) से ज्ञात होता है कि पास बुक में 80,400 ₹

 31 जनवरी को व्यवसायी के जमा है। रोकड़ बही के बैंक खाने के अनुसार इसी तिथि को 79,000 ₹ नाम है। इन दोनों शेषों में अन्तर की जाँच के लिए दोनों की प्रविष्टियों का मिलान किया गया। मिलान करने पर पता चला कि

- 1. रोकड़ बही के नाम पक्ष में प्रदीप कुमार का चैक बैंक में जमा कराया गया किन्तु पास बुक में जमा नहीं हुआ। यदि यह चैक जो 10,000 ₹ का है यदि जमा हो जाता तो पास बुक का जमा शेष 90,400 ₹ हो जाता। अर्थात 80,400 + 10,000 =90,400 ₹
- 2. रोकड़ बही के जमा पक्ष में श्याम लाल को दिया गया चैक 5,000 ₹ भुगतान के लिए प्रस्तुत नहीं हुआ इसलिए पास बुक में नाम नहीं लिखा गया। यदि भुगतान हो जाता तो पास बुक का जमा शेष 85,400 ₹ हो जाता। अर्थात 90,400 − 5,000 = 85,400 ₹
- 3. उपरोक्त के अलावा पास बुक में निकासी के खाने में बैंक खर्च 150 ₹ लिखे गये है जो रोकड़ बही के बैंक खाने में नही लिखे गये है। यदि पास बुक से इन्हें हटा दिया जावे तो पास बुक का जमा शेष 85,550 ₹ हो जाता। अर्थात 85,400 + 150 = 85,550 ₹
- 4. इसी प्रकार पास बुक में जमा खाने में विनियोगों से प्राप्त ब्याज 1,000 रु० तथा बैंक ब्याज 550 रु० लिखा गया है यदि पास बुक से इन्हें हटा दिया जावे तो पास बुक का जमा शेष 84,000 ₹ हो जाता। अर्थात 85,550 − 1,550 = 84,000 ₹
- 5. इसी प्रकार एक ग्राहक राम लाल ने सीधे 5,000 ₹ बैंक में जमा करा दिये। यदि पास बुक से इसे हटा दिया जावे तो पास बुक का जमा शेष 79,000 ₹ हो जाता। अर्थात 84,000 − 5,000 = 79,000 ₹

यह शेष 79,000 ₹ रोकड बही के बैंक खाने के शेष से मिलान खाता है।

इस उपरोक्त प्रक्रिया से यह ज्ञात हो जाता है कि दोनों शेषों में अन्तर कुछ प्रविष्टियों के रोकड़ बही के बैंक खाने में होने तथा पास बुक में नहीं होने तथा कुछ प्रविष्टियों के पास बुक में होने तथा रोकड़ बही के बैंक खाने में नहीं होने के कारण है। अन्तर के इन कारणों के आधार पर ही बैंक समाधान विवरण तैयार किया जाता है।

बैंक समाधान विवरण तैयार करना -

अन्तर के कारणों का पता चल जाने के बाद बैंक समाधान विवरण दो प्रकार से तैयार किया जा सकता है -

- (अ) समायोजित रोकड बही शेष की सहायता के बिना बैंक समाधान विवरण तैयार करना।
- (ब) समायोजित रोकड बही शेष की सहायता से बैंक समाधान विवरण तैयार करना।

(अ) समायोजित रोकड बही शेष की सहायता के बिना बैंक समाधान विवरण तैयार करना -

इस विधि में बैंक समाधान विवरण तैयार करने में सर्वप्रथम रोकड़ बही द्वारा दर्शाया गया शेष या पास बुक द्वारा दर्शाया गया शेष लिखना पड़ता है। रोकड़ बही में दर्शाया गया नाम शेष व्यवसाय का बैंक में जमा धन बताता है जब कि रोकड़ बही में दर्शाया गया जमा शेष बैंक अधिविकर्ष बताता है। इसी प्रकार पास बुक में दर्शाया गया जमा शेष व्यवसाय का बैंक में जमा धन बताता है जबिक पास बुक में दर्शाया गया नाम शेष बैंक अधिकविकर्ष बताता है।

बैंक समाधान विवरण बनाते समय हमारे समक्ष चार स्थितियाँ हो सकती है।

- 1. जब हमें रोकड़ बही का नाम शेष दिया गया हो और पास बुक शेष ज्ञात करना हो।
- 2. जब हमें पास बुक का जमा शेष दिया गया हो और रोकड बही का शेष ज्ञात करना हो।
- 3. जब हमें रोकड बही का जमा शेष दिया गया हो और पास बुक शेष ज्ञात करना हो।
- 4. जब हमें पास बुक का नाम शेष दिया गया हो और रोकड बही का शेष ज्ञात करना हो।
- (1) जब हमें रोकड़ बही का नाम शेष दिया गया हो और पास बुक शेष ज्ञात करना हो -

- (i) सर्वप्रथम बैंक समाधान विवरण का शीर्षक लगाकर इसे बनाने की तिथि लगाई जावेगी।
- (ii) तत्पश्चात विवरण में रोकड बही का नाम शेष लिखा जावेगा और रकम Total Amount के खाने में लिखी जावेगी।
- (iii) भुगतान के लिए निर्गमित चैक जो बैंक में प्रस्तुत नहीं हुए जोड़े जाएंगे।
- (iv) बैंक में संग्रह के लिए जमा कराए गए चैक जो अभी तक संग्रहित नहीं हुए घटाए जाएंगे।
- (v) बैंक द्वारा जमा पक्ष में की गई प्रविष्टियाँ जैसे प्राप्त ब्याज, संकलित लाभांश आदि, जोडे जाएंगे।
- (vi) बैंक द्वारा नाम पक्ष में की गई प्रविष्टियाँ जैसे ग्राहक द्वारा निर्देशित प्रत्यक्ष भुगतान, अधिविकर्ष पर ब्याज, बैंक खर्चें आदि घटाए जाएंगे।
 - (vii) अशुद्धियों का शोधन नियमानुसार होगा जिसका अध्ययन तलपट एवं अशुद्धियों का सुधार नामक अध्याय में किया जावेगा।
 - (viii) अन्त में विवरण में दिखाया गया शुद्ध शेष पास बुक द्वारा दिखाए गए शेष के बराबर होना चाहिए। निम्न उदाहरण से बैंक समाधान विवरण तैयार करने में मदद मिलेगी।

उदाहरण (Solution) 2. निम्न लिखित विवरण से 31 दिसम्बर 2010 को एक बैंक समाधान विवरण तैयार कीजिए -

(Prepare a Bank Reconciliation Statement from the following particulars on 31st december 2010)

- 1. रोकड़ बही के अनुसार नाम बैंक शेष 25,000 ₹
- 2. चैक जारी किये गये किन्तु भुगतान के लिए अब तक प्रस्तुत नहीं किये गये 8,900 ₹
- 3. चैक बैंक में जमा कराये गये किन्तु बैंक में अभी तक संग्रह एवं जमा नहीं किए गये 1 2,300 ₹
- बैंक ने ब्याज दिया 1.250 ₹
- 5. बैंक व्यय 250 ₹ रोकड़ बही में नहीं लिखे गये।
- 6. बैंक ने हमारे स्थायी आदेश से 3,500 ₹ बीमा किश्त के चुकाए जिनकी सूचना हमें नहीं मिली।
- 1. Debit Bank Balance as per cash book ₹ 25,000
- 2. Cheques issued but not yet presented for payment ₹ 8,900
- 3. Cheques deposited into bank but not yet collected and Credited by the bank ₹ 12,300.
- 4. Interest allowed by the bank ₹ 1,250
- 5. Bank changes of ₹250 were not entered in the cash book.
- 6. Bank paid Insurance premium as per our standing order but no information has been given to us ₹3,500

हल (Solution) -

Bank Reconciliation as on 31st Dec., 2010

	Particulars	Detail	Total	
		Amount ₹	Amount ₹	
1.	Balance as per cash book (Dr.)		25,000	
Add	l.			
2.	Cheques issued but not yet presented for payment	8,900		
4.	Interest allowed by the bank	<u>1,250</u>	<u>10,150</u>	
			35,150	
Less	.			
3.	Cheques deposited into bank but not yet collected and			
	credited by the bank	12,300		
5.	Bank charges debited by the bank	250		
6.	Insurance premium paid by the bank under our standing order.	<u>3,500</u>	16,050	
	Balance as per pass book (Cr.)		19,100	

उदाहरण (Illustration) 3.

- 31 जनवरी 2011 को एक व्यापारी को रोकड़ बही के बैंक खाने का नाम शेष 10,000 ₹ था, किन्तु उसकी पास बुक निम्नलिखित कारणों से भिन्न शेष बताती है –
- 1. चैक काटे गये किन्तु भुगतान के लिए प्रस्तुत नहीं किये गये 4,000 ₹
- 2. चैक बैंक में जमा कराये किन्तु संग्रह एवं जमा नहीं हुए 6,000 ₹
- 3. बैंक खर्च 100 ₹

- 4. एक प्राप्य बिल 1,000 ₹ का नवम्बर 2010 में बैंक से भुनाया गया जो 31 जनवरी 2011 को अनादृत हो गया।
- 5. बैंक ने ब्याज के जमा किये 200 ₹
 - 31 जनवरी 2011 को बैंक समाधान विवरण बनाइये।

(The bank column of the cash book of a merchant shows a debit balance of Rs. 10,000 on 31st jan. 2011 but the pass book shown different balance due to the following reasons)

- 1. Cheques issued but not yet presented for payment ₹ 4,000
- 2. Cheques for ₹ 6,000 sent for collecting into bank but not yet collected and credited.
- 3. Bank Charge ₹ 100
- 4. A B/R for ₹ 1,000 discounted with the bank in November 2010 but dishonoured on 31st jan. 2011.
- 5. A sum of ₹ 200 has been credited by the bank for interest. Prepare Bank Reconciliation Statement on 31st jan. 2011.

हल (Solution) -

Bank Reconciliation of a Merchant as on 31st Jan., 2011

Particulars	Detail	Total	
	Amount ₹	Amount ₹	
Balance as per cash book (Dr.)		10,000	
Add.			
1. Cheques issued but not yet presented for payment	4,000		
5. A sum of ₹ 200 has been credited by the bank for interest.	200	4,200	
		14,200	
Less.			
2. Cheques sent for collection but not yet cleared.	6,000		
3. Bank charge	100		
4. A B/R discounted with the bank in november 2010 but			
dishonoured on 31st Jan.,2011	1,000	7,100	
Balance as per pass book (Cr.)		7,100	

- 2. जब हमें पास बुक का जमा शेष दिया गया हो और रोकड़ बही का शेष ज्ञात करना हो -
 - (i) सर्वप्रथम बैंक समाधान विवरण का शीर्षक लगाकर इसे बनाने की तिथि लगाई जावेगी।
 - (ii) तत्पश्चात् विवरण में पास बुक का जमा शेष लिखकर रकम कुल राशि (Total Amount) के खाने में लिखी जावेगी।
 - (iii) भुगतान के लिए निर्गमित चैक जो प्रस्तृत नहीं हुए घटाये जाएंगे।
 - (vi) बैंक में संग्रह के लिए जमा कराए गए चैक जो अभी तक संग्रहित नहीं हुए, जोड़े जाएंगे।
- (v) बैंक द्वारा जमा की गई प्रविष्टियाँ जैसे प्राप्त ब्याज, संकलित लाभांश, ग्राहक द्वारा सीधे बैंक खाते में जमा कराना, घटाये जाएंगे।
- (vi) बैंक द्वारा नाम पक्ष में की गई प्रविष्टियाँ जैसे ग्राहक द्वारा निर्देशित प्रत्यक्ष भुगतान, अधिविकर्ष पर ब्याज, बैंक खर्चे आदि, जोडे जाएंगे।
- (vii) अन्त में विवरण में दिखाया गया शुद्ध शेष रोकड़ बही के बैंक खाने द्वारा दिखाए गए शेष के बराबर होना चाहिए। **उदाहरण 4** निम्नलिखित विवरण में एक बैंक समाधान विवरण 3 जून, 2010 को तैयार कीजिए -
 - (i) पास बुक के अनुसार जमा शेष 14,750 ₹
 - (ii) मनोहर को 25 जून 2010 को एक चैक 14,800 ₹ का दिया जो जुलाई 2010 के प्रथम सप्ताह में भुगतान के लिए प्रस्तुत हुआ।
 - (iii) बैंक में चैक जमा कराये किन्तु 30 जून 2010 तक बैंक में जमा नहीं हुए 8,950 ₹
 - (vi) बैंक ने बैंक खर्च के 150 ₹ नाम लिखे लेकिन इसकी सूचना हमें नहीं दी गई।
 - (v) बैंक ने ब्याज के जमा किये किन्तु रोकड़ बही में प्रविष्टि नहीं की गई 180 ₹
 - (vi) अंशों पर लाभांश बैंक द्वारा संग्रह किया गया और जमा किया गया किन्तु हमें सूचना नहीं दी गई 1,200 ₹
 - (Prepare a Bank Reconciliation Statement on 30th june, 2010 from the following partuculars)
 - (i) Credit balance as per pass book ₹ 14,750
- (ii) Cheque issued to Manohar on 25th june 2010 but was presented for payment in the 1st week of july 2010₹14,800

- (iii) Cheques Sent to bank for collection but not credited by the bank till 30th june 2010 ₹ 8,950
- (iv) Bank debited our account on account of bank charges but no information has been received by us in this connection $\stackrel{?}{\stackrel{?}{\sim}} 150$
 - (v) Interest credited by the bank in our account but not entered in the cash book ₹ 180
- (vi) Dividend on share collected by the bank and credited to our account but no information given to us $\mathbf{\xi}$ 1,200.

हल (Solution)

Bank Reconciliation Statement as on 30th June, 2010

Particulars	Detail	Total	
	Amount ₹	Amount ₹	
(i) Balance as per Pass Book (Cr.)		14,750	
Add.			
(iii) Cheques sent for collection but not yet Credited by the Bank	8,950		
(iv) Bank Charges debited by the bank.	150	9,100	
		23,850	
Less.			
(ii) Cheques issued but not yet presented for payment	14,800		
(v) Interest credited by the bank	180		
(vi) Dividend collected by the bank	1,200	16,180	
Balance as per Cash Book (Dr.)		7,670	

(3) जब हमें रोकड़ बही का जमा शेष दिया गया हो और पास बुक का शेष ज्ञात करना हो -

- (i) सर्वप्रथम बैंक समाधान विवरण का शीर्षक लगाकर इसे बनाने की तिथि लगाई जावेगी।
- (ii) तत्पश्चात विवरण में रोकड़ बही का जमा शेष लिखकर रकम कुल राशि (Total Amount) के खाने में लिखी जावेगी।
- (iii) भुगतान के लिए निर्गमित चैक जो प्रस्तुत नहीं हुए घटाए जाएंगे।
- (vi) बैंक में संग्रह के लिए जमा कराए गए चेक जो अभी तक संग्रहित नहीं हुए जोड़े जाएंगे।
- (v) बैंक द्वारा जमा की गई प्रविष्टियाँ जैसे प्राप्त ब्याज, संकलित लाभांश, ग्राहक द्वारा सीधे बैंक खाते में जमा कराना, घटाए जाएंगे।
- (vi) बैंक द्वारा नाम पक्ष में की गई प्रविष्टियाँ जैसे ग्राहक द्वारा निर्देशित प्रत्यक्ष भुगतान, अधिविकर्ष पर ब्याज, बैंक खर्चे आदि जोड़े जाएंगे।
 - (vii) अशुद्धियों का संशोधन नियमानुसार होगा जिसका अध्ययन तलपट एवं अशुद्धियों का सुधार नामक अध्याय में किया जावेगा।
 - (viii) अन्त में विवरण में दिखाया गया शुद्ध शेष पास बुक द्वारा दिखाए गए शेष के बराबर होना चाहिए।

निम्नलिखित उदाहरण द्वारा इसे स्पष्ट समझा जा सकेगा।

उदाहरण (Illustration) 5

निम्नलिखित विवरण से एक बैंक समाधान विवरण 31 जुलाई 2010 को तैयार कीजिए -

- (i) रोकड़ बही के अनुसार जमा शेष 25,400 ₹
- (ii) 18,500 ₹ के चैक काटे गये जिनमें से 16,500 ₹ के चैक ही 31 जुलाई 2010 तक भगतान के लिए प्रस्तृत हए।
- (iii) 9,800 ₹ के चैक 20.7.2010 को बैंक में संग्रह के लिए जमा कराये लेकिन उनमें से 3,000 ₹ के चैक अगस्त 2010 में संग्रह किये गये।
- (iv) 640 ₹ अधिविकर्ष पर ब्याज तथा 250 ₹ बैंक व्यय पास बुक में नाम लिखे गये लेकिन ये मदें रोकड़ बही में नहीं लिखी गई।
 - (v) 1,480 ₹ की एक प्रविष्टि ग्राहक द्वारा सीधा जमा कराने की पास बुक में दिखाई गई।
 - (vi) 5,500 ₹ का एक चैक रोकड़ बही में बैंक में जमा कराना दिखाया गया किन्तु वास्तव में उसे बैंक में भेजना भूल गये।
- (vii) बैंक ने व्यापारी के खाते को एक जमा कराये गये चैक के अप्रतिष्ठित होने के कारण 16,200 ₹ से नाम कर रखा है किन्तु व्यापारी को इसकी कोई सुचना नहीं मिली।

(Prepare a Bank Reconciliation Statement from the following particulars on 31st July, 2010-

- (i) Credit balance as per Cash book ₹ 25,400
- (ii) Issued cheques worth ₹ 18,500 out of which cheques amounting to ₹ 16,500 have only been

presented for payment up to 31st july, 2010

- (iii) Cheques amounting to $\stackrel{?}{\stackrel{?}{\stackrel{?}{?}}}9,800$ were deposited for Collection on 20.7.2010 but out of them cheques amounting $\stackrel{?}{\stackrel{?}{\stackrel{?}{?}}}3,000$ were collected in August 2010.
- (iv) The bank Pass Book showed a debit of $\stackrel{?}{\stackrel{\checkmark}}$ 640 for interest on overdraft and $\stackrel{?}{\stackrel{\checkmark}}$ 250 for bank charges but these items were not shown in the Cash Book
 - (v) The Pass Book Showed a credit of ₹ 1,480 on account of direct deposit by a customer.
- (vi) A cheque of ₹ 5,500 was shown in his Cash Book as deposited into the bank but actually it was omitted to be sent.
- (vii) The bank debited his account on account of dishonour of a cheque for $\rat{16,200}$ but no information so far has been given to the merchant.

हल (Solution)

Bank Reconciliation Statement as on 30th June 2010

Particulars	Detail	Total
	Amount ₹	Amount ₹
(i) Balance as per Cash Book (Cr.)		25,400
Add.:		
(iii) Cheques deposited into bank but collected in Aug. 2010	3,000	
(iv) Interest on overdraft & Bank Charges	890	
(vi) A cheque was shown in his Cash Book as deposited into Bank		
but actually it was omitted to be sent.	5,500	
(vii) Dishonour of a cheque	16,200	25,590
•		50,990
Less.:		
(ii) Cheques issued but not yet presented for payment	2,000	
(v) Direct deposit into bank by a customer.	1,480	3,480
Balance as per Pass Book (Dr.)		47,510

4. जब हमें पास बुक का नाम शेष दिया गया हो और रोकड़ बही का शेष ज्ञात करना हो -

- (i) सर्वप्रथम बैंक समाधान विवरण का शीर्षक लगाकर इसे बनाने की तिथि लगाई जावेगी।
- (ii) तत्पश्चात विवरण में पास बुक का नाम शेष लिखकर रकम कुल राशि (Total Amount) के खाने में लिखी जावेगी।
- (iii) भुगतान के लिए निर्गमित चैक जो प्रस्तुत नहीं हुए जोडे जाएंगे।
- (vi) बैंक में संग्रह के लिए जमा कराए गए चैक जो अभी तक संग्रह नहीं हए, घटाए जाएंगे।
- (v) बैंक द्वारा जमा पक्ष में की गई प्रविष्टियाँ जैसे प्राप्त ब्याज, संकलित लाभांश आदि जोडे जाएंगे।
- (vi) बैंक द्वारा नाम पक्ष में की गई प्रविष्टियाँ जैसे ग्राहक द्वारा निर्देशित प्रत्यक्ष भुगतान, अधिविकर्ष पर ब्याज, बैंक खर्चें आदि घटाए जाएंगे।
 - (vii) अन्त में विवरण में दिखाया गया शुद्ध शेष रोकड़ बही के बैंक खाने में दिखाए गए शेष के बराबर होना चाहिए। निम्न उदाहरण इसे समझने में मदद करेगा।

उदाहरण (Illustration) 6

निम्नलिखित विवरण से एक बैंक समाधान विवरण 31 दिसम्बर 2010 को तैयार कीजिए -

- (i) पास बुक के अनुसार नाम शेष (अधिविकर्ष) 11,155 ₹
- (ii) चैक निर्गमित किन्तु अभी तक प्रस्तुत नहीं किये गये -
 - (a) मोहनलाल 9,700 ₹
 - (b) विजयलाल 8,420 ₹
- (iii) अधिविकर्ष पर ब्याज 4,250 ₹ रोकड बही में नहीं लिखा गया।
- (iv) बाहरी चैक 18,580 ₹ के बैंक भेजे गये किन्तु माह दिसम्बर 2010 तक जमा नहीं हुए।
- (v) एक हुण्डी 3,400 ₹ 31 दिसम्बर 2010 को देय बैंक भेजी गई लेकिन 1 जनवरी 2011 तक पास बुक में जमा नहीं हुई।
- (vi) चेम्बर आफ कॉमर्स को बैंक ने हमारे स्थायी आदेश से चन्दा 500 ₹ जमा करा दिया जो रोकड़ बही में नहीं लिखा गया।
- (vii) बैंक खर्च 100 ₹ पास बुक में नाम है किन्त रोकड बही में नहीं लिखे गये।

(Prepare a Book Reconciliation Statement on 31st Dec. 2010 From the following Partuculars) -

- (i) Debit balance (overdraft) as per Pass Book ₹ 11,155
- (ii) Cheques issued but not yet Parsented for Payment
 - (a) Mohanlal ₹9,700
 - (b) Vijaylal ₹ 8,420
- (iii) Interest on overdraft not entered in the Cash Book ₹ 4,250
- (iv) Outstation cheques amounting ₹ 18,580 were sent to bank for Collection but not collected in the Month of Dec. 2010
- (v) A Hundi for ₹ 3,400 due on 31st Dec. 2010 was sent to the bank but not credited in the Pass Book till 1 jan. 2011.
- (vi) The Bank paid Subscription of ₹ 500 to Chember of Commerce according to our standing order but it was not entered in the Cash Book.
 - (vii) Bank Charges debited in Pass Book but not entered in the Cash Book ₹ 100.

हल (Solution)

Bank Reconciliation Statement as on 31st Dec., 2010

Particulars	Detail	Total	_
	Amount ₹	Amount ₹	
(i) Balance as per Pass Book (Dr.) Overdraft.		11,155	
Add.:			
(ii) Cheques issued but not yet presented for Payment-			
Mohanlal 9,700			
Vijaylal 8,420	18,120	18,120	
		29,275	
Less.:			
(iii) Interest on Overdraft	4,250		
(iv) Outstation cheques sent to the Bank			
for colletion but not yet collected and credited.	18,580		
(v) Hundi deposited but not credited in Pass Book	3,400		
(vi) Subscription paid to the Chember of Commerce	500		
(vii) Bank charges debited in the pass book	100	26,830	
Balance as per Cash Book (Cr.)		2,445	

उदाहरण (Illustration) 7

निम्नलिखित विवरण से एक बैंक समाधान विवरण 31 मार्च, 2010 को तैयार कीजिए -

- (i) पास बुक के अनुसार अधिविकर्ष 40,000 ₹
- (ii) 27 मार्च, 2010 को चैक 8,000 ₹ के काटे गये किन्तु एक चैक 3,000 ₹ का 3 अप्रैल, 2010 को चुकता किया गया।
- (iii) 31 मार्च, 2010 को 10,000 ₹ नकद व 3,000 ₹ के चैक से बैंक में जमा कराए किन्तु चैक 5 अप्रैल 2010 को संग्रह हुआ।
- (iv) 3,900 ₹ बैंक ने संग्रह कर ब्याज के जमा किये किन्तु यह रकम रोकड़ बही में नहीं लिखी गई।
- (v) एक चैक 800 ₹ 28 मार्च को पास बुक में जमा किया गया अनादृत हो गया और बैंक ने उसे फिर 1 अप्रैल को नाम लिख दिया। चैक के अनादरण की कोई प्रविष्टि 10 अप्रैल 2010 तक रोकड बही में नहीं की गई।

(Prepare a Bank Reconcilation Statement on 31st March 2010 From the following Partuculars)-

- (i) Overdraft as per Pass Book ₹ 40,000
- (ii) Cheques drawn on 27th March 2010 of ₹8,000 but a cheque of ₹3,000 was incashed on 3rd April 2010.
- (iii) $\stackrel{?}{\stackrel{?}{$\sim}} 10,000$ paid in Cash and $\stackrel{?}{\stackrel{?}{$\sim}} 3,000$ by cheque to Bank on 31st March but the Cheque was collected on 5th April, 2010.
- (iv) Credited by bank with ₹ 3,900 for interest collected by them, but the amount is not entered in the Cash Book.
- (v) A cheque of ₹800 credited in the Pass Book on March 28 being dishonoured is debited again in the pass book on 1st April. There was no entry in the Cash Book about the dishonour of the cheque until 10th April 2010.

हल (Solution)

Bank Reconciliation Statement as on 31st March., 2010

Particulars	Detail	Total
	Amount ₹	Amount ₹
(i) Balance as per Pass Book (Overdraft) Add.:		40,000
(ii) Cheques issued but not yet presented for payment-	3,000	
(iv) Interest credited by the bank	3,900	6,900
		46,900
Less.:		
(iii) Cheques paid into bank but not yet collected & credited	3,000	3,000
Balance as per Cash Book (Overdraft)		43,900

नोट (v) की प्रविष्टि नहीं होगी।

(ब) समायोजित रोकड़ बही के शेष की सहायता से बैंक समाधान विवरण तैयार करना – पास बुक के शेष और रोकड़ बही के बैंक खाने के शेष में अन्तर के कारणों का अध्ययन करते हैं तो पता चलता है कि कुछ मदें ऐसी भी है जिनको पास बुक में तो लिख दिया गया है किन्तु सूचना के अभाव में रोकड़ बही में नहीं लिखा गया है। यदि इन्हें रोकड़ बही में लिख दिया जावे तो ये मदें बैंक समाधान विवरण में नहीं लिखी जावेगी। इन मदों को लिखने के लिए समायोजित रोकड़ बही बनाई जाती है और तत्पश्चात निकाले गये रोकड़ बही के शेष से बैंक समाधान विवरण बनाया जावेगा।

इसी प्रकार रोकड़ बही में कोई त्रुटियाँ हो गई हो तो उन्हें सुधार प्रविष्टि के आधार पर संशोधित किया जावेगा। अब बैंक समाधान विवरण में केवल अन्तर के निम्निलखित कारणों को ही सिम्मिलित किया जावेगा –

- (i) चैक निर्गमित किये गये किन्तु भुगतान के लिए प्रस्तुत नहीं किये गये
- (ii) चैक संग्रह के लिए जमा कराए गए किन्तु संग्रहित नहीं हुए
- (iii) पास बुक के अनुसार त्रुटि

उदाहरण (Illustration) 8

सोहन की रोकड़ बही 31 दिसम्बर 2010 को 5,000 ₹ का अधिविकर्ष बताती है। निम्नलिखित सूचना के आधार पर समायोजित रोकड बही तथा बैंक समाधान विवरण बनाइये –

- (i) चैक जो प्रस्तुत नहीं किये गये 2,500 ₹
- (ii) चैक जो संग्रह नहीं हुए 3,200 ₹
- (iii) संग्रहित बोनस जो केवल पास बक में ही जमा हुआ 500 ₹
- (vi) बैंक का ब्याज जो केवल पास बुक में नाम किया गया 400 ₹
- (v) एक देनदार का चैक अनादृत हो गया 1,000 ₹
- (vi) हरीश को चैक दिया अब तक रोकड बही में नहीं लिखा गया 800 ₹

(Sohan's Cash Book Shows an overdraft of ₹ 5,000 on 31st Dec.,2010. Prepare adjusted Cash Book and Bank Reconciliation Statement from the following information)-

(i)	Unpresented Cheques	₹2,500
(ii)	Uncleared Cheques	₹3,200
(iii)	DividendCollected and Credited in Pass Book only	₹ 500
(iv)	Bank interest debited in Pass Book Only	₹ 400
(v)	A Debtor's Cheque dishonoured	₹1,000
(vi)	Cheque issued to Harish not yet entered in the cash book	₹ 800

Adjusted Coch Pools (Ponls Column only)

हल (Solution)

Dr.	Adjusted Cash Book (Bank Column only)						Cr.		
Date	Particulars	L.F.	Amount	Date		Particulars	L.F.	Amount	
			₹					₹	
Dec. 31	To Dividend A/c		500	Dec.	31	By Balance b/d		5,000	
Dec. 31	To Balance c/d		6,700	Dec.	31	By Interest a/c		400	
				Dec.	31	By Debtor's a/c		1,000	
						(Dishonour of Cheque)			
				Dec.	31	By Harish		800	
			7,200					7,200	
				2011					
				Jan.	1	By Balance b/d		6,700	

Bank Reconciliation Statement as on 31st Dec., 2010

Particulars	Detail	Total
	Amount ₹	Amount ₹
Balance as per Cash Book (Cr.)		6,700
Add.		
(ii) Uncleared Cheques		3,200
		9,900
Less.		
(i) Unpresented Cheques		2,500
Balance as per Pass Book (Dr.)		7,400

उदाहरण (Illustration) 9

निम्नलिखित विवरण के आधार पर एम. माधव का 30 अप्रैल, 2010 को बैंक समाधान विवरण बनाइये -

(From the following Particulars of M. Madhav prepare Book Reconciliation Statement as on 30th April, 2010)

- (i) रोकड बही के अनुसार नाम शेष 6,700 ₹
- (ii) बैंक में जमा कराये गये 500 ₹ का लेखा रोकड़ बही के रोकड़ खाने में किया गया जैसे कि रोकड़ बही में बैंक खाना है ही नहीं।
 - (iii) बैंक खाने का पिछला 3,000 ₹ नाम शेष अगले दिन जमा शेष की तरह लाया गया।
 - (vi) रोकड बही का भुगतान पक्ष 200 ₹ में कम है।
 - (v) 600 ₹ का एक निर्गमित चैक रोकड बही में दो बार लिख दिया गया।
 - (vi) पास बुक के आहरण पक्ष के योग में 100 ₹ की कमी।
 - (vii) 150 ₹ का जारी किया गया एक चैक रोकड बही के रोकड खाने में 105 ₹ लिखा गया।
 - (i) Debit Balance as per Cash Book ₹ 6,700
- (ii) A Cash deposit of ₹ 500 was Recorded in the Cash Column as if there in no bank column in the Cash Book.
- (iii) The Debit balance of Bank Column of ₹ 3,000 on the previous day has brought forward as a credit balance.
 - (iv) Payment side of the cash book was undercast by ₹ 200
 - (v) One issued Cheque of ₹ 600 was recorded twice in the cash book.
 - (vi) Withdrawal side of the Pass Book was undercast by ₹ 100.
 - (vii) A issued Cheque of ₹ 150 was recorded as ₹ 105 in the cash column

Bank Reconciliation Statement of M. Madhav as on 30th April, 2010

Particulars	Detail	Total
	Amount ₹	Amount ₹
(i) Balance as per Cash Book (Dr.) Add.		6,700
(ii) Cash deposit was not recorded in the bank column	500	
(iii) Error in carring forward	6,000	
(v) One cheque recorded twice	600	7,100
		13,800
Less.		
(iv) Undercasting of Payment side of Cash Book.	200	
(vi) Undercasting of withdrawal side of Pass Book.	100	
(vii) Cheque issued was not entered in the bank column.	150	450
Balance as per Pass Book (Cr.)		13,350

सारांश - निम्नलिखित तालिका से बैंक समाधान विवरण बनाना सरल हो जाता है क्योंकि इस तालिका में वे सभी सिम्मिलित की गई है जो सामान्यतया बैंक समाधान विवरण में आती है और रोकड़ बही या पास बुक के किसी के भी शेष से विवरण प्रारम्भ करने पर उनका क्या पड़ता है -

	G CDICC	Balance as	Balance as	Balance as	Balance as
	Causes of Difference	Per Cash	Per Cash	Per Pass	Per Pass
		Book (Dr.)	Book (Cr.)	Book (Cr.)	Book (Dr.)
1.	Cheques issued but not yet				
	parsented for payment	Add	Less	Less	Add
2.	Cheques deposited into bank				
	but not yet collected	Less	Add	Add	Less
3.	Income directly received by bank	Add	Less	Less	Add
4.	Expenses directly paid by bank	Less	Add	Add	Less
5.	Dishonoured Cheques	Less	Add	Add	Less
6.	Wrong credit in Cash book	Less	Add	Add	Less
7.	Wrong Credit in Cash book	Add	Less	Less	Add
8.	Wrong debit in Pass book	Less	Add	Add	Less
9.	Bank charge	Less	Add	Add	Less
10.	Interest Allowed	Add	Less	Less	Add
11.	Drawings made by Cheque				
	not entered in cash book	Less	Add	Add	Less
12.	Interest on bank overdraft	Less	Add	Add	Less
			**		
	Final Balance		If answer is		
			Positive then		
			balance as per		_
			pass book		
			(Dr.) if an-	1 ' '	
			swer is nega-		•
			tive then Bal-		
			ance as per		_
			Pass Book	1	
		(Dr.)	(Cr.)	(Cr.)	(Dr.)

100

1.	स्वयं जाचिए								
(ख) पास बुक का नाम शेष बैंक	1.	रिक्त स्थानों में सही शब्द भरिए -	•						
(ख) पास बुक का नाम शेष बैंक	(क)	साधारणत: रोकड बही नाम शेष तथा पास बुक	शेष बताती है।						
(इ) यदि रोकड़ बही के शेष को आरंभिक बिन्दु मानें तो ये मदें जो रोकड़ बहीं के शेष में कमी लाती है उन्हें	(ख)								
(ङ) यदि पास बुक के जमा शेष को आर्रोभक बिन्दु माने तो रोकड़ बही का शेष ज्ञात करने के लिए जारी चैक जिनका भुगतान नहीं हुआ हो को जाएगा। बैंक में संग्रह के लिए चैक भेजे गए किन्तु संग्रह नहीं हुए, दोनों शेषों में अन्तर का यह अन्तराल का कारण है। (छ) पास बुक वैंक में रखे ग्राहक के खाते की है। यदि बैंक समाधान विवरण का आरंथ बिन्दु पासबुक द्वारा प्रदर्शित अधिविकर्ष है तो जारी चैक जो कि पुगतान के लिए प्रस्तुत नहीं हुए है को जाएगा। इंग के समाधान विवरण	(刊)	रोकड़ बही के अनुसार अनुकूल शेष रोकड़ बही के	बेंक स्तम्भ में शेष बताता है।						
[अ हो को जाएगा। बैंक में संग्रह के लिए चैंक में में गए किन्तु संग्रह नहीं हुए, दोनों शेषों में अन्तर का यह अन्तराल का कारण है। अत्य दें बैंक समाधान विवरण का आरंभ किन्तु संग्रह कहा हुए, दोनों शेषों में अन्तर का यह अन्तराल का कारण है। (ज) यति वैंक समाधान विवरण का आरंभ किन्तु पासवुक द्वारा प्रदर्शित अधिविंकमं है तो जारी चैंक जो कि भुगतान के लिए प्रस्तुत नहीं हुए है को	(घ)	यदि रोकड़ बही के शेष को आरंभिक बिन्दु मानें तो	वे मदें जो रोकड़ बहीं के शेष में कमी लाती	है उन्हें जाएगा।					
(च) बैंक में संग्रह के लिए चैंक भेजे गए किन्तु संग्रह नहीं हुए, दोनों शेषों में अन्तर का यह अन्तराल का कारण है। (छ) पाल कुक वेंक में रखे ग्राहक के खाते की	(ङ)	यदि पास बुक के जमा शेष को आरंभिक बिन्दु माने	तो रोकड़ बही का शेष ज्ञात करने के लिए जा	री चैक जिनका भुगतान नहीं					
(छ) पास बुक बैंक में रखे ग्राहक के खाते की				,					
(ज) यदि बैंक समाधान विवरण का आरंभ बिन्दु पासबुक द्वारा प्रदर्शित अधिविकर्ष है तो जारी चैक जो कि भुगतान के लिए प्रस्तुत नहीं हुए है को				अन्तराल का कारण है।					
नहीं हुए है को		. The state of the		. , .					
(झ) वैंक समाधान विवरण	(ज)		हिंदारा प्रदाशत आधावकष है तो जारा चेक जी	िक भुगतान के लिए प्रस्तुत					
(अ) रोकड़ बही के शेष का पास बुक के शेष से मिलान करने के लिए	(स)		ाता है।						
2. बताइए कि निम्निलिखत कथन सही है अथवा गलत - (क) रोकड़ वहीं का अनुकूल शेष बैंक अधिवकर्ष बताता है। (ख) बैंक समाधान विवरण में रोकड़ वहीं के शेष का प्रयोग होता है। (ग) बैंक हारा जमा पक्ष में लिखा गया ब्याज जिसे अभी रोकड़ वहीं में नहीं किया गया है, शेषों में अन्तर का समय अन्तराल का कारण है। (घ) समायोजित रोकड़ वहीं की सहायता के बिना भी बैंक समाधान विवरण बनाया जा सकता है। (उ) रोकड़ वहीं का शेष दिया गया हो तो बैंक समाधान विवरण के पाता लगा जाता है। (ख) बैंक समाधान विवरण प्रतिमाह के अन्तिम दिन बनाया जाता है। (छ) बैंक समाधान विवरण प्रतिमाह के अन्तिम दिन बनाया जाता है। (छ) बैंक समाधान विवरण अनाने से चैंकों के संग्रह में अवांछनीय देरी का पता लग जाता है। (ख) बैंक बिना स्थायी आदेश के व्यवसाय का बीमा प्रीमियम चुका सकता है। (ख) बैंक अधिविकर्ष पर व्यवसायों से व्याज वसूल करता है। (ख) रोकड़ वहीं का बैंक खोने का शेष सदैव नाम रहता है। (स) रोकड़ वहीं का बैंक सामधान विवरण - बैंक सामधान विवरण कहते हैं। अतर के कारण - 1 लेनदेन प्रविष्टि के समय में अन्तर है के अथवा व्यवसाय द्वारा की गई वृदियाँ। समायोजित रोकड़ शेष - पास बुक और रोकड़ बही के बैंक शेष में अन्तर के कारणों का अध्ययनन करने पर पता चलता है कि कुछ मरें ऐसी भी है जिनका पासबुक में लेखा कर दिया गया है किन्तु सूचना के अभाव में रोकड़ बही में नहीं लिखा गया है। इन मदों को लिखने के लिए समायोजित रोकड़ बही बनाई जाती है और तत्पश्चात निकाले गये समायोजित रोकड़ शेष से बैंक समाधान विवरण बनाया जावोग। अध्यास प्रश्न बहुच्यनात्मक प्रश्न - 1. बैंक समाधान विवरण तैयार किया जाता है- (अ) पास बुक का शेष जानने के लिए (य) रोकड़ बही का शेष जानने के लिए (य) रोकड़ बही को शेष जा पास बुक के शेष से मिलान करने के लिए (व) व्यापार का लाभ जानने के लिए (व) व्यापार का लाभ जानने के लिए (व) अन्तिम खाते बनाने सो पूर्व (ब) वर्ष के अन्त में									
(क) रोकड़ बहीं का अनुकूल शेष बेंक अधिविकर्ष बताता है। (ख) बेंक समाधान विवरण में रोकड़ बहीं के शेष का प्रयोग होता है। (ग) बेंक द्वारा जमा पक्ष में लिखा गया ब्याज जिसे अभी रोकड़ बहीं में नहीं किया गया है, शेषों में अन्तर का समय अन्तराल का कारण है। (घ) समायोजित रोकड़ बहीं की सहायता के बिना भी बेंक समाधान विवरण बनाया जा सकता है। (इ) रोकड़ बहीं को शेष दिया गया हो तो बेंक समाधान विवरण वनाया जा सकता है। (इ) बेंक समाधान विवरण प्रतिमाह के अन्तिम दिन बनाया जाता है। (इ) बेंक समाधान विवरण बनाने से चैंकों के संग्रह में अवांक्रनीय देरी का पता लग जाता है। (इ) बेंक का शेष विवरण बनाने से चैंकों के संग्रह में अवांक्रनीय देरी का पता लग जाता है। (इ) बेंक, अधिविकर्ष पर व्यवसाय का बीमा प्रीमियम चुका सकता है। (इ) बेंक, अधिविकर्ष पर व्यवसायों से ब्याज वसूल करता है। (इ) सेंकड़ बहीं का बेंक खाने का शेष सदैव नाम रहता है। (अ) रोकड़ बहीं का बेंक समाधान विवरण कहते हैं। सीखने के उद्देश्यों के संदर्भ में सारांश बेंक समाधान विवरण – बेंक पास बुक द्वारा बताये गये शेष और रोकड़ वहीं के केंक खाने द्वारा बताये गये शेष के अंतर की जांच के लिए एक विवरण बनाया जाता है जिसे बेंक समाधान विवरण कहते हैं। अंतर के कारण – 1. लेनदेन प्रविष्टि के समय में अन्तर। 2. वेंक अथवा व्यवसाय द्वारा की गई वृटियाँ। समायोजित रोकड़ शेष — पास बुक और रोकड़ बहीं के बेंक शेष में अन्तर के कारणों का अध्ययनन करने पर पता चलता है कि कुछ मदें ऐसी भी है जिनका पासबुक में लेखा कर दिया गया है किन्तु सूचना के अभाव में रोकड़ बहीं में नहीं लिखा गया है। इन मदों को लिखने के लिए समायोजित रोकड़ बहीं का शेष जानने के लिए (ब) रोकड़ बहीं का शेष जा पास बुक के शेष से मिलान करने के लिए (स) रोकड़ बहीं का शेष जा पास बुक के शेष से मिलान करने के लिए (द) व्यापर का लाभ जानने के लिए (द) व्यापर का लाभ जानने के लिए (व) अन्तिम खाते बनाने से पूर्व (ब) वर्ष के अन्त में	(4)								
(ख) बैंक समाधान विवरण में रोकड़ बहीं के शेष का प्रयोग होता है। (ग) बैंक द्वारा जमा पक्ष में लिखा गया ब्याज जिसे अभी रोकड़ बहीं में नहीं किया गया है, शेषों में अन्तर का समय अन्तराल का कारण है। (घ) समायोजित रोकड़ बहीं की सहायता के बिना भी बैंक समाधान विवरण बनाया जा सकता है। (ङ) रोकड़ बहीं का शेष दिया गया हो तो बैंक समाधान विवरण में पास बुक शेष ज्ञात किया जा सकता है। (ङ) बैंक समाधान विवरण प्रतिमाह के अनिम दिन बनाया जाता है। (छ) बैंक समाधान विवरण बनाने से चैकों के संग्रह में अवांछनीय देरी का पता लग जाता है। (ज) बैंक बिना स्थायी आदेश के व्यवसाय का बीमा प्रीमियम चुका सकता है। (ज) रोकड़ बहीं का बैंक खाने का शेष सदैव नाम रहता है। (ज) रोकड़ बहीं का बैंक खाने का शेष सदैव नाम रहता है। सिखने के उद्देश्यों के संदर्भ में सारांश वैंक समाधान विवरण - बैंक पास बुक द्वारा बताये गये शेष और रोकड़ बहीं के बैंक खाने द्वारा बताये गये शेष के अंतर की जांच के लिए एक विवरण बनाया जाता है जिसे बैंक समाधान विवरण कहते हैं। अंतर के कारण - 1. लेनदेन प्रविष्टि के समय में अन्तर। 2. बैंक अथवा व्यवसाय द्वारा की गई त्रुटियाँ। समायोजित रोकड़ शेष - पास बुक और रोकड़ बहीं के बैंक शेष में अन्तर के कारणों का अध्ययन करने पर पता चलता है कि कुछ मदें ऐसी भी है जिनका पासबुक में लेखा कर दिया गया है किन्तु सूचना के अभाव में रोकड़ बही में नहीं लिखा गया है। इन मदों को लिखने के लिए समायोजित रोकड़ बही का शेष जानने के लिए (ब) रोकड़ बहीं का शेष जानने के लिए (स) रोकड़ बहीं का शेष जानने के लिए (स) रोकड़ बहीं का शेष जानने के लिए (द) व्यापार का लाभ जानने के लिए	2.	बताइए कि निम्नलिखित कथन सही है अथवा ग	लत –						
(ग) बैंक द्वारा जमा पक्ष में लिखा गया ब्याज जिसे अभी रोकड़ बही में नहीं किया गया है, शेषों में अन्तर क समय अन्तराल का कारण है। (घ) समायोजित रोकड़ बहीं की सहायता के बिना भी बैंक समाधान विवरण बनाया जा सकता है। (ङ) रोकड़ बही का शेष दिया गया हो तो बैंक समाधान विवरण से पास बुक शेष ज्ञात किया जा सकता है। (इ) बैंक समाधान विवरण प्रतिमाह के अन्तिम दिन बनाया जाता है। (ज) बैंक तिवान स्थायी आदेश के व्यवसाय को बीमा प्रीमियम चुका सकता है। (ज) बैंक, अधिविकर्ष पर व्यवसायी से ब्याज वसूल करता है। (ज) रोकड़ बही का बैंक खाने का शेष सदैव नाम रहता है। स्माधान विवरण – बैंक पास बुक द्वारा बताये गये शेष और रोकड़ बही के बैंक खाने द्वारा बताये गये शेष के अंतर की जांच के लिए एक विवरण बनाया जाता है जिसे बैंक समाधान विवरण कहते हैं। समायोजित रोकड़ शेष – पास बुक और रोकड़ बही के बैंक शेष में अन्तर के कारण – 1. लेनदेन प्रविष्टि के समय में अन्तर। 2. बैंक अथवा व्यवसाय द्वारा की गई त्रुटियों। समायोजित रोकड़ शेष – पास बुक और रोकड़ बही के बैंक शेष में अन्तर के कारणों का अध्ययन करने पर पता चलता है कि कुछ मदें ऐसी भी है जिनका पासबुक में लेखा कर दिया गया है किन्तु सूचना के अभाव में रोकड़ बही में नहीं लिखा गया है। इन मदों को लिखने के लिए समायोजित रोकड़ बही बनाई जाती है और तत्पश्चात निकाले गये समायोजित रोकड़ शेष से बैंक समाधान विवरण बनाया जावेगा। अध्यास प्रश्न बहुच्यनात्मक प्रश्न – 1. बैंक समाधान विवरण तैयार किया जाता है– (अ) पास बुक का शेष जानने के लिए (स) रोकड़ बही का शेष जानने के लिए (स) रोकड़ बही के शेष का पास बुक के शेष से मिलान करने के लिए (द) व्यापार का लाभ जानने के लिए (द) अतन्तम खाते बनाने से पूर्व (ब) वर्ष के अन्त में	(क)								
है। (घ) समायोजित रोकड़ बहीं की सहायता के बिना भी बैंक समाधान विवरण बनाया जा सकता है। (ङ) रोकड़ बही का शेष दिया गया हो तो बैंक समाधान विवरण से पास बुक शेष ज्ञात िकया जा सकता है। (च) बैंक समाधान विवरण प्रतिमाह के अन्तिम दिन बनाया जाता है। (छ) बैंक समाधान विवरण प्रतिमाह के अन्तिम दिन बनाया जाता है। (छ) बैंक समाधान विवरण बनाने से चैकों के संग्रह में अवांग्रेनय देरी का पता लग जाता है। (ज) बैंक बिना स्थायी आदेश के व्यवसाय को बीमा ग्रीमियम चुका सकता है। (ज) रोकड़ वहीं का बैंक खाने का शेष सदैव नाम रहता है। (ज) रोकड़ वहीं का बैंक खाने का शेष सदैव नाम रहता है। स्मीखने के उद्देश्यों के संदर्भ में सारांश बैंक समाधान विवरण - बैंक पास बुक द्वारा बताये गये शेष और रोकड़ वहीं के बैंक खाने द्वारा बताये गये शेष के अंतर की जांच के लिए एक विवरण बनाया जाता है जिसे बैंक समाधान विवरण कहते हैं। समायोजित रोकड़ शेष - पास बुक और रोकड़ बहीं के बैंक श्रेष में अन्तर के कारणों का अध्ययनन करने पर पता चलता है कि कुछ मदें ऐसी भी है जिनका पासबुक में लेखा कर दिया गया है किन्तु सूचना के अभाव में रोकड़ बही में नहीं लिखा गया है। इन मदों को लिखने के लिए समायोजित रोकड़ बही बनाई जाती है और तत्पश्चात निकाले गये समायोजित रोकड़ शेष से बैंक समाधान विवरण बनाया जावेगा। अध्यास प्रश्न बहुच्चनात्मक प्रश्न - 1. बैंक समाधान विवरण तैयार किया जाता है- (अ) पास बुक का शेष जानने के लिए (त) रोकड़ बही का शेष जानने के लिए (त) रोकड़ बही को शेष का पास बुक के शेष से मिलान करने के लिए (त) यापार का लाभ जानने के लिए (त) व्यापार का लाभ जानने के लिए (व) अर्तनम खाते बनाने से पूर्व (ब) वर्ष के अन्त में	(碅)								
(ङ) रोकड़ बही का शेष दिया गया हो तो बैंक समाधान विवरण से पास बुक शेष ज्ञात किया जा सकता है। (च) बैंक समाधान विवरण प्रतिमाह के अन्तिम दिन बनाया जाता है। (छ) बैंक समाधान विवरण बनाने से चैकों के संग्रह में अवांछनीय देरी का पता लग जाता है। (ज) बैंक विना स्थायी आदेश के व्यवसाय का बीमा प्रीमियम चुका सकता है। (ज) रोकड़ बही का बैंक खाने का शेष सदैव नाम रहता है। सीखने के उद्देश्यों के संदर्भ में सारांश वैंक समाधान विवरण – बैंक पास बुक द्वारा बताये गये शेष और रोकड़ बही के बैंक खाने द्वारा बताये गये शेष के अंतर की जांच के लिए एक विवरण बनाया जाता है जिसे बैंक समाधान विवरण कहते हैं। अंतर के कारण – 1. लेनदेन प्रविष्टि के समय में अन्तर। 2. बैंक अथवा व्यवसाय द्वारा की गई बुटियाँ। समायोजित रोकड़ शेष – पास बुक और रोकड़ बही के बैंक शेष में अन्तर के कारणों का अध्ययनन करने पर पता चलता है कि कुछ मदें ऐसी भी है जिनका पासबुक में लेखा कर दिया गया है किन्तु सूचना के अभाव में रोकड़ बही में नहीं लिखा गया है। इन मदों को लिखने के लिए समायोजित रोकड़ बही बनाई जाती है और तत्पश्चात निकाले गये समायोजित रोकड़ शेष से बैंक समाधान विवरण बनाया जावेगा। अध्यास प्रश्न बहुचयनात्मक प्रश्न – वैंक समाधान विवरण तैयार किया जाता है – (अ) पास बुक का शेष जानने के लिए (स) रोकड़ बही का शेष जानने के लिए (द) व्यापार का लाभ जानने के लिए (व) रोकड़ बही का शेष जाना जाता है – (अ) अन्तिम खाते बनाने से पूर्व (ब) वर्ष के अन्त में	(刊)		कड़ बही में नहीं किया गया है, शेषों में अन्तर व	क्र ासमय अन्तराल का कारण					
(च) बैंक समाधान विवरण प्रतिमाह के अन्तिम दिन बनाया जाता है। (छ) बैंक समाधान विवरण बनाने से चैकों के संग्रह में अवांछनीय देरी का पता लग जाता है। (ज) बैंक बिना स्थायी आदेश के व्यवसाय का बीमा प्रीमियम चुका सकता है। (ज) वैंक, अधिविकर्ष पर व्यवसायी से ब्याज वसूल करता है। (ज) रोकड़ बही का बैंक खाने का शेष सदैव नाम रहता है। ***********************************	(ঘ)	समायोजित रोकड़ बहीं की सहायता के बिना भी बैं	क समाधान विवरण बनाया जा सकता है।						
(छ) बैंक समाधान विवरण बनाने से चैकों के संग्रह में अवांछनीय देरी का पता लग जाता है। (ज) बैंक बिना स्थायी आदेश के व्यवसाय का बीमा प्रीमियम चुका सकता है। (ज) रोकड़ बही का बैंक खाने का शेष सदैव नाम रहता है। ***********************************	(ङ)	रोकड़ बही का शेष दिया गया हो तो बैंक समाधान	विवरण से पास बुक शेष ज्ञात किया जा सकत	ता है।					
(ज) बैंक बिना स्थायी आदेश के व्यवसाय का बीमा प्रीमियम चुका सकता है। (ज) वैंक, अधिविकर्ष पर व्यवसायी से ब्याज वसूल करता है। (ज) रोकड़ बही का बैंक खाने का शेष सदैव नाम रहता है। ***********************************	(च)	बैंक समाधान विवरण प्रतिमाह के अन्तिम दिन बना	या जाता है।						
(झ) बैंक, अधिविकर्ष पर व्यवसायी से ब्याज वसूल करता है। (ञ) रोकड़ बही का बैंक खाने का शेष सदैव नाम रहता है। सीखने के उद्देश्यों के संदर्भ में सारांश बैंक समाधान विवरण - बैंक पास बुक द्वारा बताये गये शेष और रोकड़ बही के बैंक खाने द्वारा बताये गये शेष के अंतर की जांच के लिए एक विवरण बनाया जाता है जिसे बैंक समाधान विवरण कहते हैं। अंतर के कारण - 1. लेनदेन प्रविष्टि के समय में अन्तर। 2. बैंक अथवा व्यवसाय द्वारा की गई त्रुटियाँ। समायोजित रोकड़ शेष - पास बुक और रोकड़ बही के बैंक शेष में अन्तर के कारणों का अध्ययनन करने पर पता चलता है कि कुछ मदें ऐसी भी है जिनका पासबुक में लेखा कर दिया गया है किन्तु सूचना के अभाव में रोकड़ बही में नहीं लिखा गया है। इन मदों को लिखने के लिए समायोजित रोकड़ बही बनाई जाती है और तत्पश्चात निकाले गये समायोजित रोकड़ शेष से बैंक समाधान विवरण बनाया जावेगा। अध्यास प्रश्न बहुच्चयनात्मक प्रश्न - 1. बैंक समाधान विवरण तैयार किया जाता है- (अ) पास बुक का शेष जानने के लिए (व) रोकड़ बही का शेष जानने के लिए (स) रोकड़ बही के शेष का पास बुक के शेष से मिलान करने के लिए (द) व्यापार का लाभ जानने के लिए 2. बैंक समाधान विवरण बनाया जाता है- (अ) अन्तिम खाते बनाने से पूर्व (ब) वर्ष के अन्त में	(छ)	_	_						
(ञ) रोकड़ बही का बैंक खाने का शेष सदैव नाम रहता है। सीखने के उद्देश्यों के संदर्भ में सारांश बैंक समाधान विवरण - बैंक पास बुक द्वारा बताये गये शेष और रोकड़ बही के बैंक खाने द्वारा बताये गये शेष के अंतर की जांच के लिए एक विवरण बनाया जाता है जिसे बैंक समाधान विवरण कहते हैं। अंतर के कारण - 1. लेनदेन प्रविष्टि के समय में अन्तरा 2. बैंक अथवा व्यवसाय द्वारा की गई त्रुटियाँ। समायोजित रोकड़ शेष - पास बुक और रोकड़ बही के बैंक शेष में अन्तर के कारणों का अध्ययनन करने पर पता चलता है कि कुछ मदें ऐसी भी है जिनका पासबुक में लेखा कर दिया गया है किन्तु सूचना के अभाव में रोकड़ बही में नहीं लिखा गया है। इन मदों को लिखने के लिए समायोजित रोकड़ बही बनाई जाती है और तत्पश्चात निकाले गये समायोजित रोकड़ शेष से बैंक समाधान विवरण बनाया जावेगा। अभ्यास प्रश्न बहुचयनात्मक प्रश्न - 1. बैंक समाधान विवरण तैयार किया जाता है- (अ) पास बुक का शेष जानने के लिए (व) रोकड़ बही का शेष जानने के लिए (स) रोकड़ बही के शेष का पास बुक के शेष से मिलान करने के लिए (द) व्यापार का लाभ जानने के लिए 2. बैंक समाधान विवरण बनाया जाता है- (अ) अन्तिम खाते बनाने से पूर्व (ब) वर्ष के अन्त में		बैंक बिना स्थायी आदेश के व्यवसाय का बीमा प्रीमियम चुका सकता है।							
सीखने के उद्देश्यों के संदर्भ में सारांश बैंक समाधान विवरण - बैंक पास बुक द्वारा बताये गये शेष और रोकड़ बही के बैंक खाने द्वारा बताये गये शेष के अंतर की जांच के लिए एक विवरण बनाया जाता है जिसे बैंक समाधान विवरण कहते हैं। अंतर के कारण - 1. लेनदेन प्रविष्टि के समय में अन्तर। 2. बैंक अथवा व्यवसाय द्वारा की गई त्रुटियाँ। समायोजित रोकड़ शेष - पास बुक और रोकड़ बही के बैंक शेष में अन्तर के कारणों का अध्ययनन करने पर पता चलता है कि कुछ मदें ऐसी भी है जिनका पासबुक में लेखा कर दिया गया है किन्तु सूचना के अभाव में रोकड़ बही में नहीं लिखा गया है। इन मदों को लिखने के लिए समायोजित रोकड़ बही बनाई जाती है और तत्पश्चात निकाले गये समायोजित रोकड़ शेष से बैंक समाधान विवरण बनाया जावेगा। अध्यास प्रश्न बहुचयनात्मक प्रश्न - 1. बैंक समाधान विवरण तैयार किया जाता है- (अ) पास बुक का शेष जानने के लिए (स) रोकड़ बही का शेष जानने के लिए (द) व्यापार का लाभ जानने के लिए (द) व्यापार का लाभ जानने के लिए (अ) अन्तिम खाते बनाने से पूर्व (ब) वर्ष के अन्त में									
बंक समाधान विवरण - बैंक पास बुक द्वारा बताये गये शेष और रोकड़ बही के बैंक खाने द्वारा बताये गये शेष के अंतर की जांच के लिए एक विवरण बनाया जाता है जिसे बैंक समाधान विवरण कहते हैं। अंतर के कारण - 1. लेनदेन प्रविष्टि के समय में अन्तर। 2. बैंक अथवा व्यवसाय द्वारा की गई त्रुटियाँ। समायोजित रोकड़ शेष - पास बुक और रोकड़ बही के बैंक शेष में अन्तर के कारणों का अध्ययनन करने पर पता चलता है कि कुछ मदें ऐसी भी है जिनका पासबुक में लेखा कर दिया गया है किन्तु सूचना के अभाव में रोकड़ बही में नहीं लिखा गया है। इन मदों को लिखने के लिए समायोजित रोकड़ बही बनाई जाती है और तत्पश्चात निकाले गये समायोजित रोकड़ शेष से बैंक समाधान विवरण बनाया जावेगा। अध्यास प्रश्न बहुचयनात्मक प्रश्न - 1. बैंक समाधान विवरण तैयार किया जाता है- (अ) पास बुक का शेष जानने के लिए (स) रोकड़ बही का शेष जानने के लिए (द) व्यापार का लाभ जानने के लिए (द) व्यापार का लाभ जानने के लिए (द) व्यापार का लाभ जानने के लिए (अ) अन्तिम खाते बनाने से पूर्व (ब) वर्ष के अन्त में	(ञ)	(ञ) रोकड़ बही का बैंक खाने का शेष सदैव नाम रहता है।							
एक विवरण बनाया जाता है जिसे बैंक समाधान विवरण कहते हैं। अंतर के कारण - 1. लेनदेन प्रविष्टि के समय में अन्तर। 2. बैंक अथवा व्यवसाय द्वारा की गई त्रुटियाँ। समायोजित रोकड़ शेष - पास बुक और रोकड़ बही के बैंक शेष में अन्तर के कारणों का अध्ययनन करने पर पता चलता है कि कुछ मदें ऐसी भी है जिनका पासबुक में लेखा कर दिया गया है किन्तु सूचना के अभाव में रोकड़ बही में नहीं लिखा गया है। इन मदों को लिखने के लिए समायोजित रोकड़ बही बनाई जाती है और तत्पश्चात निकाले गये समायोजित रोकड़ शेष से बैंक समाधान विवरण बनाया जावेगा। अभ्यास प्रश्न बहुचयनात्मक प्रश्न - 1. बैंक समाधान विवरण तैयार किया जाता है- (अ) पास बुक का शेष जानने के लिए (ब) रोकड़ बही का शेष जानने के लिए (स) रोकड़ बही के शेष का पास बुक के शेष से मिलान करने के लिए (द) व्यापार का लाभ जानने के लिए 2. बैंक समाधान विवरण बनाया जाता है- (अ) अन्तिम खाते बनाने से पूर्व (ब) वर्ष के अन्त में	,								
अंतर के कारण - 1. लेनदेन प्रविष्टि के समय में अन्तर। 2. बैंक अथवा व्यवसाय द्वारा की गई त्रुटियाँ। समायोजित रोकड़ शेष - पास बुक और रोकड़ बही के बैंक शेष में अन्तर के कारणों का अध्ययनन करने पर पता चलता है कि कुछ मदें ऐसी भी है जिनका पासबुक में लेखा कर दिया गया है किन्तु सूचना के अभाव में रोकड़ बही में नहीं लिखा गया है। इन मदों को लिखने के लिए समायोजित रोकड़ बही बनाई जाती है और तत्पश्चात निकाले गये समायोजित रोकड़ शेष से बैंक समाधान विवरण बनाया जावेगा। अभ्यास प्रश्न बहुचयनात्मक प्रश्न - 1. बैंक समाधान विवरण तैयार किया जाता है- (अ) पास बुक का शेष जानने के लिए (ब) रोकड़ बही का शेष जानने के लिए (स) रोकड़ बही के शेष का पास बुक के शेष से मिलान करने के लिए (द) व्यापार का लाभ जानने के लिए 2. बैंक समाधान विवरण बनाया जाता है- (अ) अन्तिम खाते बनाने से पूर्व (ब) वर्ष के अन्त में				ष के अंतर की जांच के लिए					
समायोजित रोकड़ शेष - पास बुक और रोकड़ बही के बैंक शेष में अन्तर के कारणों का अध्ययन करने पर पता चलता है कि कुछ मदें ऐसी भी है जिनका पासबुक में लेखा कर दिया गया है किन्तु सूचना के अभाव में रोकड़ बही में नहीं लिखा गया है। इन मदों को लिखने के लिए समायोजित रोकड़ बही बनाई जाती है और तत्पश्चात निकाले गये समायोजित रोकड़ शेष से बैंक समाधान विवरण बनाया जावेगा। अध्यास प्रश्न बहुचयनात्मक प्रश्न - 1. बैंक समाधान विवरण तैयार किया जाता है- (अ) पास बुक का शेष जानने के लिए (ब) रोकड़ बही का शेष जानने के लिए (स) रोकड़ बही के शेष का पास बुक के शेष से मिलान करने के लिए (द) व्यापार का लाभ जानने के लिए 2. बैंक समाधान विवरण बनाया जाता है- (अ) अन्तिम खाते बनाने से पूर्व (ब) वर्ष के अन्त में		· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·							
ऐसी भी है जिनका पासबुक में लेखा कर दिया गया है किन्तु सूचना के अभाव में रोकड़ बही में नहीं लिखा गया है। इन मदों को लिखने के लिए समायोजित रोकड़ बही बनाई जाती है और तत्पश्चात निकाले गये समायोजित रोकड़ शेष से बैंक समाधान विवरण बनाया जावेगा। 34भ्यास प्रश्न बहुचयनात्मक प्रश्न - 1. बैंक समाधान विवरण तैयार किया जाता है- (अ) पास बुक का शेष जानने के लिए (ब) रोकड़ बही का शेष जानने के लिए (स) रोकड़ बही के शेष का पास बुक के शेष से मिलान करने के लिए (द) व्यापार का लाभ जानने के लिए (3) अन्तिम खाते बनाने से पूर्व (ब) वर्ष के अन्त में									
लिए समायोजित रोकड़ बही बनाई जाती है और तत्पश्चात निकाले गये समायोजित रोकड़ शेष से बैंक समाधान विवरण बनाया जावेगा। अभ्यास प्रश्न बहुचयनात्मक प्रश्न - 1. बैंक समाधान विवरण तैयार किया जाता है- (अ) पास बुक का शेष जानने के लिए (ब) रोकड़ बही का शेष जानने के लिए (स) रोकड़ बही के शेष का पास बुक के शेष से मिलान करने के लिए (द) व्यापार का लाभ जानने के लिए (3) अन्तिम खाते बनाने से पूर्व (ब) वर्ष के अन्त में									
अभ्यास प्रश्न बहुचयनात्मक प्रश्न - 1. बैंक समाधान विवरण तैयार किया जाता है- (अ) पास बुक का शेष जानने के लिए (ब) रोकड़ बही का शेष जानने के लिए (स) रोकड़ बही के शेष का पास बुक के शेष से मिलान करने के लिए (द) व्यापार का लाभ जानने के लिए 2. बैंक समाधान विवरण बनाया जाता है- (अ) अन्तिम खाते बनाने से पूर्व (ब) वर्ष के अन्त में									
बहुचयनात्मक प्रश्न - 1. बैंक समाधान विवरण तैयार किया जाता है - (अ) पास बुक का शेष जानने के लिए (ब) रोकड़ बही का शेष जानने के लिए (स) रोकड़ बही के शेष का पास बुक के शेष से मिलान करने के लिए (द) व्यापार का लाभ जानने के लिए (3) अन्तिम खाते बनाने से पूर्व (ब) वर्ष के अन्त में	ाटाड् तनाचााजव रामञ् अला अभार् जाता ६ जार वस्परपात । मफाला गय समायााजव रामञ् राय स अफ समायाम ।पपरण अमाया जीवगा								
 बैंक समाधान विवरण तैयार किया जाता है- (अ) पास बुक का शेष जानने के लिए (ब) रोकड़ बही का शेष जानने के लिए (स) रोकड़ बही के शेष का पास बुक के शेष से मिलान करने के लिए (द) व्यापार का लाभ जानने के लिए बैंक समाधान विवरण बनाया जाता है- (अ) अन्तिम खाते बनाने से पूर्व (ब) वर्ष के अन्त में 									
 (अ) पास बुक का शेष जानने के लिए (ब) रोकड़ बही का शेष जानने के लिए (स) रोकड़ बही के शेष का पास बुक के शेष से मिलान करने के लिए (द) व्यापार का लाभ जानने के लिए वैंक समाधान विवरण बनाया जाता है- (अ) अन्तिम खाते बनाने से पूर्व (ब) वर्ष के अन्त में 	•								
 (ब) रोकड़ बही का शेष जानने के लिए (स) रोकड़ बही के शेष का पास बुक के शेष से मिलान करने के लिए (द) व्यापार का लाभ जानने के लिए () वैंक समाधान विवरण बनाया जाता है- (अ) अन्तिम खाते बनाने से पूर्व (ब) वर्ष के अन्त में 	1.								
 (स) रोकड़ बही के शेष का पास बुक के शेष से मिलान करने के लिए (द) व्यापार का लाभ जानने के लिए बैंक समाधान विवरण बनाया जाता है- (अ) अन्तिम खाते बनाने से पूर्व (ब) वर्ष के अन्त में 									
(द) व्यापार का लाभ जानने के लिए () 2. बैंक समाधान विवरण बनाया जाता है- (अ) अन्तिम खाते बनाने से पूर्व (ब) वर्ष के अन्त में		·	मेलान करने के लिए						
2. बैंक समाधान विवरण बनाया जाता है- (अ) अन्तिम खाते बनाने से पूर्व (ब) वर्ष के अन्त में			1011 1001 70 1010	()					
(अ) अन्तिम खाते बनाने से पूर्व (ब) वर्ष के अन्त में	2.	•		` /					
**		-	(ब) वर्ष के अन्त में						
		-,	· ·	()					

पास बुक नकल है-3. (अ) रोकड बही के बैंक खाने की (ब) ग्राहक के बैंक खाते की (स) रोकड़ बही के नकद खाने के (द) प्राप्तियों एवं भुगतानों की () बैंक समाधान विवरण बनाने में किस शेष का प्रयोग होता है-4. (अ) पास बुक का (ब) रोकड बही का (द) रोकड बही अथवा पास बुक का (स) खाता बही का () पास बुक का शेष रोकड़ बही के शेष से मेल नहीं खायेगा, यदि 5. (अ) भुगतान में दिये गये चैक भुगतान हेतु प्रस्तुत कर दिए गए हो। (ब) संग्रह हेतु जमा कराये गये चैक बैंक ने संग्रह कर जमा कर दिए हो। (स) बैंक द्वारा लगाया खर्चा रोकड़ बही में लिख दिया गया हो। (द) बैंक द्वारा दिया गया ब्याज रोकड़ बही में नहीं लिखा गया हो। () पास बुक का शेष रोकड़ बही के शेष से मेल खायेगा यदि-6. (अ) बैंक में जमा कराये चैक संग्रहित हो गये हो (ब) भुगतान में दिये गये चैक भुगतान हेतु प्रस्तुत नहीं किये गये हो। (स) ग्राहक द्वारा बैंक में सीधी जमा कराई गई रकम की सूचना व्यापारी को न हो। (द) बैंक ने ब्याज जमा किया जिसकी सूचना व्यापारी को न हो। ()

अति लघु उत्तरात्मक प्रश्न

- 1. बैंक समाधान विवरण क्यों बनाया जाता है?
- 2. बैंक समाधान विवरण कब बनाया जाता है?
- 3. बैंक समाधान विवरण कौन बनाता है?
- 4. पास बुक का कौनसा शेष अधिविकर्ष कहलाता है?
- पास बुक किस खाते की नकल है?
- 6. रोकड़ बही और पास बुक के शेष में अन्तर होने के दो कारण बताइये।
- 7. रोकड बही का नाम (डेबिट) शेष होने पर कौनसी दो मदें जोडी जाती है?
- 8. रोकड़ बही के जमा (क्रेडिट) शेष से बैंक समाधान विवरण तैयार करने पर बैंक शुल्क की राशि का क्या करेंगे?
- 9. ग्राहक को निर्गमित किए गए चैक जो भुगतान के लिए प्रस्तुत नहीं हुए, अंतर का कौनसा कारण है?
- 10. एक व्यापारी ने 31 दिसम्बर 2010 तक 3500 ₹ के चैंक निर्गमित किये, जिनमें से 2250 ₹ के चैंक 31 दिसम्बर 2010 तक भुगतान के लिए प्रस्तुत नहीं किये गये, रोकड़ बही और पास बुक में कितनी राशि का अन्तर होगा?
- 11. बैंक अधिविकर्ष से आप क्या समझते हैं?

लघु उत्तरात्मक प्रश्न -

- 1. रोकड़ बही एवं पास बुक में अन्तर होने के कोई चार कारण बताइये।
- 2. बैंक समाधान विवरण तैयार करने की आवश्यकता बताइये।
- 3. रोकड़ बही तथा पास बुक के कौनसे शेष अधिविकर्ष बतलाते हैं?
- 4. बैंक समाधान विवरण का नमूना दो काल्पनिक लेखे करके दीजिये।
- समायोजित रोकड बही कब बनाई जाती है?
- 6. व्यवसाय द्वारा की जाने वाली दो त्रुटियों को लिखिये जिनका संबंध बैंक से हो।

निबन्धात्मक प्रश्न -

- 1. बैंक समाधान विवरण से आप क्या समझते हैं? यह क्यों बनाया जाता है?
- 2. रोकड बही के बैंक खाने के शेष तथा पास बुक के शेष में अन्तर के कारणों को समझाइये।
- समायोजित रोकड बही की सहायता से बैंक समाधान विवरण बनाने की प्रक्रिया समझाइये।
- 4. जब हमें रोकड़ बही का नाम शेष दिया गया हो और पास बुक का शेष ज्ञात करना हो तो बैंक समाधान विवरण बनाने की क्या प्रक्रिया होगी? समझाइये।

आंकिक प्रश्न -

1. निम्न की सहायता से 31 मार्च, 2010 को बैंक समाधान विवरण बनाइये -

(i) रोकड़ बही के अनुसार शेष
 (ii) चैक निर्गमित किये गये किन्तु भुगतान के लिए प्रस्तुत नहीं हुए
 1,500 ₹

(iii) चैक बैंक में जमा कराए किन्तु अभी तक संग्रह नहीं हुए 1,000 ₹ (vi) बैंक ब्याज 200 ₹ (From the following prepare a Bank Reconciliation Statement as on 31st March, 2010)

(i)	Balance as per Cash Book	₹15,000
(ii)	Cheques issued but not yet presented for payment	₹1,500
(iii)	Cheque deposited into Bank but not yet collected	₹1,000
(vi)	Bank interest	₹ 200)

(Ans.: Balance as per Pass Book (Cr.) ₹ 15,700)

2. निम्न की सहायता से 31 मार्च, 2010 को बैंक समाधान विवरण बनाइये -

(i)	रोकड़ बही का शेष (नाम)	7,000 ₹
(ii)	चैक बैंक में जमा कराए किन्तु जमा नहीं हुए	2,000₹
(iii)	चैक निर्गमित किए गए किन्तुं भुगतान के लिए प्रस्तुत नहीं हुए	1,500₹
(vi)	बीमा किश्त बैंक द्वारा चुकाई गई	3,000₹
(v)	बैंक खर्च	150₹
(vi)	ब्याज बैंक ने जमा किया	600₹
(vii)	ग्राहक द्वारा सीधी जमा कराई गई राशि	5,000₹

(Prepare a Bank Reconciliation Statement from the following information) -

(1 Tcpa	ite a Bank Reconcination Statement from the following	3 miormanon,
(i)	Balance as per Cash Book (Dr.)	7,000
(ii)	Cheques deposited in Bank but not credited	2,000
(iii)	Cheques issued but not yet presented for payment	1,500
(vi)	Insurance Premium paid by the bank	3,000
(v)	Bank Charges	150
(vi)	Bank Interest credited by the bank	600
(vii)	Directly deposited by a cutomer	5,000)
()	$P_{\text{olones}} = P_{\text{olones}} = P_{\text{olones}$	

(Ans.: Balance as per Pass Book (Cr.) ₹ 8,950)

3. 31 दिसम्बर 2010 को अशोक की रोकड़ बही द्वारा बैंक में जमा दर्शाया गया 20,000 ₹। यह ज्ञात हुआ कि तीन चैक रकम 1000 ₹, 3,000 ₹, 2,000 ₹ दिसम्बर माह में बैंक में जमा कराए गए उनको 2 जनवरी 2011 तक पास बुक में जमा नहीं किया गया। दो चैक रकम 700 ₹ और 1,800 ₹ 28 दिसम्बर 2010 को निर्गमित किये गये जो 5 जनवरी 2011 तक भुगतान के लिए प्रस्तुत नहीं किये गये। इनके अतिरिक्त बैंक ने 525 ₹ ब्याज से अशोक को जमा किया तथा 150 ₹ बैंक खर्च के नाम किये जिनकी अशोक की रोकड़ बही में कोई प्रविष्टि नहीं थी।

31 दिसम्बर 2010 को बैंक समाधान विवरण बनाइये।

(Bank balance of ₹ 20,000 Showed by Cash Book of Ashok on 31st Dec. 2010. It was Found that there Cheques of ₹ 1,000, ₹ 3,000, ₹ 2000. deposited during the month of December were not credited in the Pass Book till 2nd Jan, 2011. Two Cheques of ₹ 700 and ₹ 1,800 issued on 28th December 2010 were not presented for payment till 5th Jan.,2011. In addition to it Bank had credited Ashok for ₹ 525 as interest and had debited him with ₹ 150 as bank charges for which there were no Corresponding entries in the cash book of Ashok.

Parepare a bank Reconciliation Statement as on 31st Dec., 2010)

(Ans.: Balance as per Pass Book (Dr.) ₹ 5,475)

- 4. 30 जून, 2010 को रोकड बही के बैंक खाने का शेष 18,000 ₹ था किन्तु पास बुक शेष निम्न कारणों में अन्तर बता रहा था -
- (i) 12,000 ₹ के चैक बैंक में जमा कराए किन्तु बैंक ने केवल 10,000 ₹ के चैक ही जमा किये।
- (ii) रोकड बही का प्राप्ति खाने का योग 500 ₹ से कम लगाया गया।
- (iii) एक ग्राहक ने 2,000 ₹ सीधे बैंक में जमा करा दिये किन्तु इसकी केवल पास बुक में ही प्रविष्टि थी।
- (iv) 13,000 ₹ के चैक जारी किये गये जिनमें से 3,000 ₹ के चैक 15 जुलाई 2010 को भुगतान के लिए प्रस्तुत किये गये।
- (v) पास बुक में 350 ₹ ब्याज के जमा तथा 120 ₹ बैंक खर्च के नाम दर्शाये गये।
 - 30 जून 2010 को बैंक समाधान विवरण बनाईये।

(On 30th June, 2010 the bank column of the cash book showd a balance of $\ref{18,000}$ but the pass book shows a different balance due to the following reasons -

- (i) Cheques paid into bank ₹12,000 but out of these only cheques of ₹ 10,000 credited by bankers.
- (ii) The receipt column of the cash book undercast by ₹ 500
- (iii) A customer deposited ₹ 2,000 direct in the bank account but it was entered in the pass book only.

- (iv) Cheques of ₹ 13,000 were issued out of which ₹ 3000 were presented for payment on 15th july 2010.
- (v) Pass book shows a credit of ₹ 350 as interest and a debit of ₹ 120 bank charges. Prepare a Bank Reconciliation Statement as on 30th June 2010)

(Ans.: Balance as per Pass Book (Cr.) = 1,730)

- 5. निम्न विवरण की सहायता से बैंक समाधान विवरण बनाइये तथा पास बुक के शेष की गणना कीजिए -
 - (i) रोकड़ बही के अनुसार बैंक शेष (जमा) 9,200 ₹
 - (ii) बैंक ने 300 ₹ अधिविकर्ष पर ब्याज तथा 150 ₹ बिल संग्रह के खर्च के नाम लिखे।
 - (iii) चैक निर्गमित किये गये किन्तु भुगतान नहीं हुए 3,400 ₹
 - (iv) बैंक ने 500 ₹ ब्याज के संग्रह कर पास बुक में जमा किये।
 - (v) एक प्राप्य बिल 5,000 ₹ पूर्व में बैंक में भुनाया गया जो अनादृत हो गया और पास बुक में नाम किया गया।
 - (vi) चैक बैंक में जमा कराये किन्तु अभी तक बैंक ने संग्रह एवं जमा नहीं किए 7,000 ₹

(From the following particulars prepare a Bank Reconciliation Statement and ascertain the balance as per Pass Book) -

- (i) Balance as per cash book (Cr)
- ₹9,200
- (ii) Debited by bank for $\stackrel{?}{\stackrel{?}{$\sim}}$ 300 on account of overdraft interest and $\stackrel{?}{\stackrel{?}{$\sim}}$ 150 on account of charges for collecting bills.
 - (iii) Cheques drawn but not yet encashed ₹ 3,400.
 - (iv)The bank has collected interest and credited ₹ 500 in Pass Book.
- (v) A bill receivable for ₹ 5000 previously discounted with the bank had been dishonoured and debited in the Pass Book.
 - (vi) Cheques paid into bank but not yet collected and credited by the bank ₹ 7000)

(Ans.: Balance as per Pass Book (Dr.) 17,750).

- 6. निम्नलिखित विवरण से एक बैंक समाधान विवरण तैयार कीजिये।
 - (i) 31 मार्च, 2011 को पास बुक में अधिविकर्ष दर्शाया गया 7,500 ₹
 - (ii) 2,500 ₹ के चैक निर्गमित किये गये जिनमें से केवल 2,000 ₹ के चैक ही भुगतान के लिए प्रस्तुत किये गये।
 - (iii) दो चैक रकम 1,000 ₹ के जमा कराये गये किन्तु उनमें से केवल 750/- ₹ ही जमा किये गये।
 - (iv) एक चैक 4,000 ₹ रोकड़ बही में नाम लिखा गया किन्तु बैंक में भेजना भूल गए।
 - (v) पास बक में ब्याज के जमा 250 ₹
 - (vi) ग्राहक द्वारा बैंक में सीधा भुगतान की एक प्रविष्टि 300 ₹ पास बुक में दर्शायी गई।
 - (vii) पास बुक में एक जमा 600 ₹ ब्याज संग्रह करने की भी दर्शायी गई।

(Prepare a Bank Reconciliation Statement from the following particulars -

- (i) On 31st March, 2011 there is a overdraft shown in the Pass Book ₹ 7,500.
- (ii) Cheques issued for ₹ 2,500 of which ₹ 2000 worth only been presented for payment.
- (iii) Two cheques amounting ₹ 1,000 has been deposited but of these only ₹ 750 worth were credited.
- (iv) A cheque for ₹4,000 has been debited in the Cash Book but omitted to be banked.
- (v) Interest Credited in Pass Book ₹ 250
- (vi) An entry of ₹ 300 of a direct payment by a customer into the bank appears in the pass book.
- (vii) Pass Book also shows a credit of ₹ 600 being interest collected by banker).

(Ans.: Balance as per Cash Book (Cr.) ₹ 4,900).

- 7. पारस के एक बैंक में दो खाते हैं। खाता नं. 1 व खाता नं. 2 नीचे खाता नं. 1 से संबंधित कुछ विवरण दिये गये है उनके आधार पर 31 दिसम्बर 2010 को रोकड बही का शेष ज्ञात करें
 - (i) पास बुक के अनुसार अधिविकर्ष 99,000 ₹
 - (ii) 31 दिसम्बर 2010 से पूर्व चैक बैंक में जमा कराये गये किन्तु अब तक जमा नहीं किये गये 15,000 ₹।
- (iii) 31 दिसम्बर 2010 को बैंक ने खाता नं. 2 से खाता नं. 1 में फण्ड का स्थानान्तरण किया किन्तु रोकड़बही में उस तिथि के बाद प्रविष्टि की गई 10.000 ₹।
 - (iv) बैंक ने बैंक खर्च के नाम किये जो रोकड़ बही में नही लिखे गये 400 ₹।
 - (v) 31 दिसम्बर 2010 से पूर्व चैक निर्गमित किये गये किन्तु उस दिन तक भूगतान के लिए प्रस्तुत नहीं हुए 17,500 ₹।
 - (vi) अधिविकर्ष पर ब्याज बैंक ने नाम किया जो रोकड बही में नहीं लिखा गया 1,500 ₹।

(Paras have two bank accounts. Account No. 1 and Account No. 2 From the following particulars relating to account No.1 find out the balance of that account in the cash book on 31st Dec. 2010) -

- (i) Overdraft as per Pass book ₹ 99,000
- (ii) Cheque paid into bank prior to 31st Dec. 2010 but not yet credited for ₹ 15,000.
- (iii) Transfer of fund from Account No.2 to Account No.1 received by the bank on 31st Dec., 2010 but entered in the cash book after that date for ₹ 10,000
 - (iv) Bank Charges debited by bank not entered in the cash book for ₹ 400
 - (v) Cheques issued prior to 31st Dec. 2010 but not presented until that date ₹ 17,500
 - (vi) Interest on overdraft debited by the bank not entered in the cash book ₹ 1,500.

(Ans.: Balance as per Cash Book (Cr.) ₹ 1,09,600)

- 8. मिस्टर कुमार का 31 मार्च 2010 को बैंक समाधान विवरण बनाइये -
 - (i) पास बुक के अनुसार शेष 30,000 ₹।
 - (ii) बैंक में चैक जमा कराये लेकिन अब तक जमा नहीं हुए -

दिलीप - 10,000 ₹ किशोर - 5,000 ₹

(iii) चैक निर्गमित किये गये किन्तु भुगतान के लिए अब तक प्रस्तुत नहीं हुए -

हेमन्त - 20,000 **₹** हरीश - 5,000 **₹**

- (iv) बैंक व्यय 500 ₹
- (v) पास बुक में ब्याज जमा 1,000 ₹।

(Prepare Bank Reconciliation Statement of Mr. Kumar as on 31st March, 2010)-

- (i) Balance as per Pass Book ₹ 30,000
- (ii) Cheques paid into Bank but not yet cleared

Dileep ₹ 10,000 Kishore ₹ 5,000

(iii) Cheques issued but not yet presented for payment

Hemant ₹ 20,000 Harish ₹ 5000

- (iv) Bank Charges Rs. 500
- (v) Interest credited in the pass book ₹ 1000)

(Ans.: Balance as per Cash Book (Dr.) ₹ 19,500)

- 9. दिलीप की रोकड़ बही 31 जनवरी 2011 को 50,300 ₹ नाम शेष बताती है। निम्न सूचना के आधार पर समायोजित रोकड़ बही तथा बैंक समाधान विवरण बनाइये-
 - (i) चैक निर्गमित किये गये किन्तु भुगतान के लिए प्रस्तृत नहीं किये गये 46,800 ₹।
 - (ii) चैक बैंक में जमा कराये गये किन्तु अब तक जमा नहीं हुए 52,500 ₹।
 - (iii) स्थाई आदेशानुसार बैंक ने बीमा किश्त का भुगतान किया किन्तु सूचित नहीं किया 3,000 ₹।
 - (iv) बैंक ने बैंक खर्च के 350 ₹ नाम किये जिसकी प्रविष्टि रोकड़ बही नहीं की गई।
 - (v) बैंक द्वारा सीधे एक कम्पनी से लाभांश संग्रह किया गया 3,500 ₹

(Dileep's Cash Book shows a debit balance of ₹ 50,300 on 31st Jan. 2011. Prepare adjusted Cash Book and Bank Reconciliation Statement from the following information-

- (i) Cheuges issued but not yet presented for payment ₹ 46,800.
- (ii) Cheques deposited into bank but not yet credited ₹52,500.
- (iii) Paid Insurance Premium as per standing order but not informed ₹ 3,000.
- (iv) Bank debited bank charges which was not entered in the Cash Book ₹ 350.
- (v) Dividend directly collected by bank from a company ₹ 3500)

(Ans.: Balance as per Pass Book (Cr.) ₹ 44,750)

रोकड़ बही के बैंक खाने के तथा पास बुक के अंशों से 31 जनवरी 2011 को बैंक समाधान विवरण बनाइये-10.

(From the following extracts of bank column of Cash Book and Bank Pass Book, prepare Adjusted Cash Book and also prepare Bank Reconciliation Statement on 31st Jan., 2011) -

Cash Book (Bank Column only)

Date		Particulars	Amount ₹	Date		Particulars	Amount ₹
2011							
Jan.	1	To Balance b/d	46,000	Jan.	6	By Sohan	14,000
Jan.	2	To Gopal	9,500	Jan.	9	By Mahendra	2,000
Jan.	11	To Mohan	4,000	Jan.	14	By Ram	6,000
Jan.	17	To Cash A/c	6,000	Jan.	31	By Bank Charges A/c	150
				Jan.	31	By Balance c/d	43,350
			65,500				65,500

Pass Book

Date		Particulars	Deposits ₹	Withdrawals ₹	Dr. or Cr.	Balance ₹
2010						
Jan.	1	By Balance b/d			Cr.	46,000
Jan.	10	By Cheque (Gopal)	9,500		Cr.	55,500
Jan.	12	To Cheque (Mahendra)		2,000	Cr.	53,500
Jan.	16	To Cheque (Ram)		6,000	Cr.	47,500
Jan.	17	By Cash	6,000		Cr.	53,500
Jan.	18	To Bank Charges		150	Cr.	53,350
Jan.	21	To Insurance Premium		1,270	Cr.	52,080
Jan.	31	By Interest	250		Cr.	52,330

(Ans. : Adjusted Cash Book Balance (Debit ₹ 42,330)

ਸ਼ੁੰ ਤਾਂਤਿਸ਼ੇ ਕੇ ਤਰਾ

6

			स्वयं जाचियं के उत्तर				
1.	(क) जमा (ङ) घटाया (झ) ग्राहक		(ख) अधिविकर्ष (च) समय (ञ) बैंक समाधान विवन	(ग) नाम (छ) नकल एण	(घ) जोड़ा (ज) जोड़ा		
2.	(क) गलत (ङ) सही (झ) सही		(ख) गलत (च) गलत (ञ) गलत	(ग) सही (छ) सही	(घ) सही (ज) गलत		
			बहुचयनात्मक प्रश्नों के उत्तर				
प्र. सं.	1	2	3	4	5		
उत्तर	स	द	ब	द	द		